मेट्रो-3 के मार्ग में बना कारशेड का असमंजस

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबईः एक तरफ मुंबई मेट्रो-3 का निर्माण कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, वहीं इसके कारशेड के निर्माण को लेकर असमंजस बरकरार है। बुधवार को कोलाबा-बांद्रा सीप्ज के बीच बन रहे मेट्रो-3 कॉरिडोर की 25वीं सुरंग का काम पूरा हो गया।

बता दें कि 33.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर के मार्ग पर कुल 32 सुरंगें तैयार होनी हैं। 25वीं सुरंग के साथ ही भूमिगत मेट्रो महानगर के बिजनेस हब वर्ली तक पहुंची गई है। प्रॉजेक्ट के पैकेज-3 के तहत तानसा-1 टनल बोरिंग मशीन (TBM) ने साइंस म्युजियम से वर्ली तक की सुरंग तैयार कर ली गई है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMRCL) ने इस रूट की अप लाइन पर 1381 सेगमेंट रिंग्स की सहायता से मार्ग तैयार किया है। 25वीं सुरंग का काम पूरा होने के मौके पर पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने मेट्रो के काम का जायजा लिया।

बनने में लगे 490 दिन

मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण सात चरणों में किया जा रहा है। पैकेज-3 के तहत सबसे लंबा मार्ग तैयार हो रहा है। 490 दिनों की मेहनत के बाद MMRCL को 2073 मीटर लंबा भूमिगत मार्ग तैयार करने में सफलता मिली। 27 सितंबर 2018 को तानसा-1 को साइंस म्युजियम के शाफ्ट में उतारा गया था। 29 जनवरी को 2073 मीटर टनल का काम पूरा करके वर्ली के पास स्थित शाफ्ट से TBM बाहर आई। पैकेज-3 के तहत मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, साइंस म्युजियम, आचार्य आत्रे चौक और वर्ली स्टेशन का निर्माण हो रहा है।

कॉरिडोर की 25वीं सुरंग तैयार, लेकिन कारशेड पर निर्णय नहीं

स्टेशन	काम हुआ (% में)
कालबादेवी	26
गिरगांव	14
ग्रांट रोड	56
मुंबई सेंट्रल	73
महालक्ष्मी	75
आचार्य अत्रे चौक	39
वर्ली	82
दादर	88
शीतला देवी	71
धारावी	81
बीकेसी	83
विद्यानागरी	87
सांताक्रुज	93

78 प्रतिशत भूमिगत मार्ग तैयार

मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए अप और डाउन दिशा मिला कर कुल 55 किलोमीटर लंबा भूमिगत मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इसमें से 41 किलोमीटर तक भूमिगत मार्ग तैयार हो चुका है। प्रबंधक निदेशक रणजीत सिंह के अनुसार, भूमिगत मार्ग तैयार करने का काम करीब 78 प्रतिशत और स्टेशन निर्माण का 50 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। पूरे मार्ग में कुल 32 सुरंगें तैयार होनी हैं, जिनमें से 25 सुरंगों की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। आगामी कुछ दिनों में बची हुई सुरंगों का का काम पूरा कर लिया जाएगा।

आदित्य ठाकरे ने कहा, फैसला बाकी

मेट्रो कारशेड को लेकर बनाई गई समिति ने आरे में ही इसे बनाने की राय रखने की खबर के बाद से पर्यावरणप्रेमियों में नाराजगी फैली हुई है। पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने धैर्य दिलाते हुए कहा कि पूरी रिपोर्ट जमा होनी बाकी है।

रिपोर्ट को मानने की कोई बाध्यता नहीं है। पूरी रिपोर्ट आने के बाद इस पर फैसला लिया जाएगा। इससे पहले मंगलवार रात पर्यावरणप्रेमियों ने आरे कॉलोनी में कारशेड के रैंप का काम शुरू होने के विरोध में प्रदर्शन किया।